VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2070)

Name of Candidate	Arun Rambha		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	120649
Center	New Delhi	Date	21/10/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
4(c)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Differentiating between courage and bravery, discuss why courage is often thought of as the first of all virtues. (150 words) 10
साहस और बहादुरी के मध्य अंतर बताते हुए, चर्चा कीजिए कि साहस को प्रायः सभी सद्गुणों में सर्वप्रमुख क्यों माना जाता है।

उत्तर ⇒ साहस और बहादुरी दो उच्च नैतिक मूल्य है जो सकारात्मक कार्य के प्रति अपने अधिकारो एवं कर्त्तव्यो की लड़ाई के लिए शक्ति प्रदान करते है।

साहस	बहादुरी
(I) यह बहादुरी से वृहद स्थिति है। ↓ बहादुरी + बुद्धि	(I) इसमें शारीरिक क्षमता की बात होती है।
(II) कब आगे बढ़ना है तथा कब पीछे की समझ देता है।	(II) हमेशा आक्रामक स्थिति से लड़ने पर बल
(III) भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अंशतः शामिल	(III) बुद्धि, बल के पीछे खड़ी रहती है।
(IV) स्थिति सापेक्ष	(IV) स्थिति निरपेक्ष

बहादुरी साहस

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साहस सभी गुणो में प्रमुख माना जाता है -

(i) साहस से ही व्यक्ति कर्मनिष्ठ तथा कार्यशील बनता है।

(ii) साहस व्यक्ति को नैतिक बनाता है - सत्य, असत्य की पहचान।

(iii) साहस यथास्थितिवाद के विरोध कर बदलाव पर बल देता है।

(iv) साहस मानवीय प्रगति को आगे बढ़ाता है।

(v) लोकसेवक साहसी होकर भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस, अपराधिक गठजोड़ की समाप्ति तथा राजतंत्र में व्याप्त लचरता को दूर कर सकता है।

(vi) त्वरित कार्य तथा सक्रियता।

(vii) साहस मानवीय मूल्यो में सकारात्मक बदलाव लाता है।

(viii) योजनाओ का अधिकतम क्रियांवयन संभव

स्पष्टत: प्रभावशाली तथा दक्ष शासन-प्रशासन प्रणाली के विकास के लिए साहस जैसे सर्वोच्च गुणो का होना आवश्यक है।

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Discuss how social, cultural and religious factors act as determinants of ethics. (150 words) 10

चर्चा कीजिए कि कैसे सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कारक नैतिकता के निर्धारक के रूप में कार्य करते हैं।

~~सामाजीकरण की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप~~

नैतिकता का आशय उन नैतिक सिद्धान्तो तथा मानको से है जिन्हें समाज द्वारा वृहद रूप में स्वीकृति मिली होती है। यह हमे उचित / अनुचित, सही-गलत, अच्छा-बुरा चुनने में सहायता करते है।

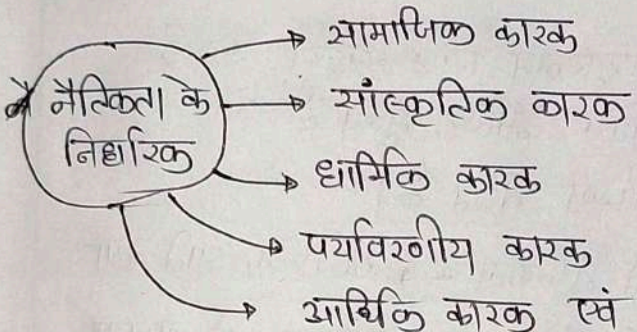

सामाजिक कारक, नैतिकता के निर्धारक के रूप में

→ सामाजिक परिस्थितियों तथा सामाजीकरण की प्रक्रिया के परिणामतः हमारी नैतिकता निर्धारित होती है।

यथा → उत्तराखण्ड का खस जनजातीय समुदाय मातृसत्तात्मक मूल्यों को धारण करता है।

- महिलाओ के प्रति सम्मान
- लैंगिक समानता में कमी
- बेटा-बेटी में भेद नहीं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सांस्कृतिक कारक

↳ सांस्कृतिक मूल्यों यथा स्त्री सम्मान, वृक्षों की पूजा, भाषा संबंधी प्रेम इत्यादि नैतिकता को निर्धारित करते हैं।

जैसे: राजस्थान का 'वाल्मिकी समुदाय' • पेड़-पौधों की रक्षा को अपना सांस्कृतिक मूल्य समझता है।

↓

वाल्मिकी समुदाय की नैतिकता → पर्यावरण की रक्षा।

धार्मिक कारक

↳ विभिन्न धर्म हिन्दू, मुस्लिम, सिख, यहुदी, इसाई आदि में अपने अपने नैतिक मूल्य है जो नैतिकता का निर्धारण करते हैं।

जैसे: हिन्दू धर्म की नैतिकता → जीवो के प्रति दया
मुस्लिम धर्म की नैतिकता → बंधुता की भावना
इसाई धर्म की नैतिकता → करुणा भाव।

स्पष्टतः विभिन्न कारक तथा मूल्य हमारी नैतिकता का निर्धारण करती है। नैतिकता समय और स्थान के अनुरूप परिवर्तित भी हो सकती है। सामाजिकरण की प्रक्रिया माता, पिता, शिक्षण संस्थान इसके निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us :

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Bring out the relevance of the teachings of Gautam Buddha in contemporary times. (150 words) 10
समकालीन समय में गौतम बुद्ध की शिक्षाओं की प्रासंगिकता को वर्णित कीजिए।

महात्मा गौतम बुद्ध करुणा, परोपकार संयम, सत्य तथा अहिंसा के अपने प्रासंगिक विचारो के कारण अद्यतन प्रभावशाली व्यक्तित्व है।

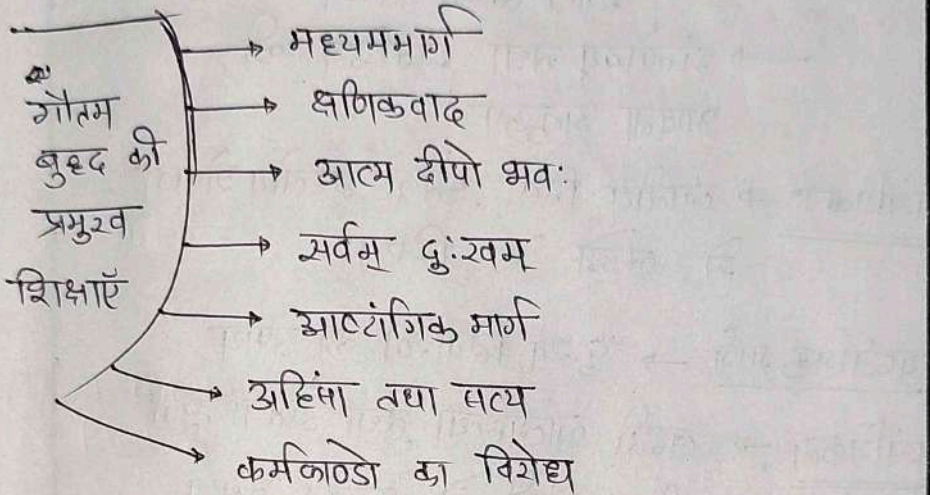

समकालीन समय में गौतम बुद्ध की शिक्षाओ की प्रासंगिकता

(अ) मध्यममार्ग → अति तथा अभाव के बीच बुद्ध मध्यममार्ग की बात करते है।

प्रासंगिकता → रूस-युक्रेन युद्ध संघर्ष पर विराम वार्ता-सहमति, डिप्लोमेसी, डायलॉग, डेमोक्रेसी जैसी प्रक्रियाओ से ही हो सकता है।

(ब) क्षणिकवाद → पलभर में सबकुछ नष्ट हो जाना।
→ कुछ भी शाश्वत नही, परिवर्तन के बिना।

प्रासंगिकता → कोविड-19 पश्चात ततावग्रह पीढी के लिए मार्गदर्शक।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ग) आत्म दीपो भव: → अपना प्रकाश स्वयं बनो।

प्रासंगिकता → ~~स्वार्थपूर्ण~~ दुनिया में हमें स्वयं ही उठना होगा। ~~जैसे~~

(घ) समावेशी समाज → समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना

→ अंत्योदय तथा सर्वोदय की भावना अनुरूप

प्रासंगिकता → जातीय हिंसा, तथा नस्लीय शोषण से लड़ने के लिए।

(ङ) अष्टांगिक मार्ग → दु:ख निवारण का उपाय

प्रासंगिकता → बढ़ती आत्महत्या तथा अवसादपूर्ण जीवन शैली से उभरने हेतु।

(च) अहिंसा तथा सत्य → साधन तथा साध्य की पवित्रता के अनुरूप

प्रासंगिकता → आतंकवाद, नक्सलवाद से निपटने हेतु।

(छ) कर्मकाण्डो का विरोध → अंधविश्वास से छुटकारा

प्रासंगिकता → हालहि मे केरल में एक पति ने तांत्रिक बाबा के कहने पर पत्नि की हत्या कर दी।

स्पष्टत: गौतम बुद्ध अपने प्रगतिशील विचारो के कारण विश्व में प्रसिद्द है। सर्वम दुखम का अतिवादी रूप इसका अपवाद है क्योंकि असल जीवन में दु:ख और सुख दोनों होते है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) If one takes care of the means the end will take care of itself. Discuss. **(150 words) 10**

यदि कोई साधनों का ध्यान रखता है तो साध्य स्वयं सिद्ध हो जाता है। चर्चा कीजिए।

~~गांधी~~ गांधी और काण्ट जैसे दार्शनिक साधन एवं साध्य दोनों की पवित्रता पर बल देते है वही बेंथम और मिल साधन की अपेक्षा साध्य पर अधिक बल देते है।

गांधीवादी विचारधारा का मानना है कि साधनो का यदि कोई ध्यान रखता है तो साध्य स्वयं सिद्ध हो जाते है। जैसे

(i) नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका में हो रहे अत्याचारो के खिलाफ अपने साधनो (सत्य एवं अहिंसा) की पवित्रता को बनाए रखा।

↓

वर्तमान समय में दक्षिण अफ्रीका विश्व की प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाला देश।

(ii) IAS अधिकारी ईरा सिंघल ने कहा था यदि आप UPSC CSE की तैयारी के दौरान अपने साधनो पर अच्छी पकड़ रखते है तो आप इस परीक्षा (साध्य) को भी साध लेंगे।

(iii) सांस्कृतिक टेक्स्ट श्रीमद्भगवतगीता में भी 'निष्काम कर्म' जैसी बात कही गई है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अर्थात: साधनो की पवित्रता तथा उस पर अच्छी पकड़ साध्य को स्वतः सिद्ध करवा देती है। इसके विपरित यदि साधनो का ध्यान न रखा जाए तब साध्य की प्राप्ति दुर्गम होती है-

जैसे: श्रीलंका ने राष्ट्रीय एकीकरण जैसे पवित्र साधन की प्राप्ति के लिए 'एक देश-एक भाषा' का सिद्धांत अपनाकर सम्पूर्ण देश में सिंहली को लागू कर दिया। परन्तु तमिल भाषी लोग इससे काफी नाराज हुए तथा देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

इसी प्रकार हिटलर तथा मुसोलिनी ने भी साधनो का ध्यान रखे बिना कार्य किया जिसके कारण आज पूरा विश्व इन्हें नकारात्मक छवि के रूप में याद रखती है।

कांट के तर्कवादी सिद्धांतो का भी सार यही है कि साधनो का ध्यान उचित रूप से रखकर साध्य की प्राप्ति कम समय में की जा सकती है।

Call us : 8468022022, 9019066066

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Explain the relevance of the following in the context of civil services: (150 words) 10

(i) Impersonality
(ii) Anonymity
(iii) Perseverance
(iv) Fairness

सिविल सेवाओं के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए:

(i) निर्वैयक्तिकता
(ii) अनामिता
(iii) दृढ़ता
(iv) निष्पक्षता

उत्तर ⇒

(ii) अनामिता → यह लोकसेवकों का एक प्रमुख गुण होता है कि वे पर्दे के पीछे रहकर कार्य करते है।

प्रासंगिकता → संविधान तथा आचरण संहिता के अनुरूप

- → लोकसेवक जनता के प्रति उत्तरदायी नही, जनप्रतिनिधि का कार्य
- → दिखावा एवं छपास के जीवन से दूर
- → राजनीतिक तटस्थता
- → अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान

जैसे:- IPS अजीत डोभाल द्वारा पाकिस्तान में कार्य करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) दृढ़ता → अपने कार्यों के प्रति पूर्ण ज्ञानभाव से आशावादी होकर कार्य करना।

प्रांसगिकता → (क) क्षणिक परेशानियों से घबराना नहीं,
↳ (ख) धैर्य तथा साहस
(ग) कार्यों में सफलता
(घ) आशावादी नज़रिया
(ड़) मजबूती के साथ टिके रहना।

उदा. → IPS रेमा राजेश्वरी (तेलंगाना केडर) द्वारा मॉब लिंचिंग के खिलाफ अभियान।

(iv) निष्पक्षता → उपस्थित तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर निर्णय

प्रांसगिकता →
(क) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांतमुरूप।
(ख) पूर्वाग्रहों एवं रूढ़ियों से मुक्ति।
(ग) न्याय निर्णय का सम्मान
(घ) कमजोर वर्गों की रक्षा
(ड़) संविधान की भावना अनुरूप

जैसे :- चुनाव निर्वाचन आयोग
सुप्रीम कोर्ट

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) With the help of relevant examples, bring out the difference between the following: (150 words) 10

(i) Intelligence Quotient and Emotional Quotient

(ii) Attitude and Aptitude

प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से, निम्नलिखित के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए:

(i) इंटेलिजेंस क्वोशन्ट (बुद्धि लब्धि) और इमोशनल क्वोशन्ट (भावनात्मक लब्धि)

(ii) अभिवृत्ति और अभिरुचि

उत्तर ⇒

(i) बुद्धि लब्धि और भावनात्मक लब्धि (EQ)

बुद्धि लब्धि (IQ)

↓

तथ्य, फैक्ट, किताबी ज्ञान स्मरण क्षमता

जैसे: केरल की किसी महिला को खाद्य अधिकारी ने PDS सिर्फ इसलिए प्रदान नही किया क्योंकि उसके पास दस्तावेज नहीं थे।

↓

थोड़े समय पश्चात महिला की भाँत

↓

बुद्धि लब्धि → जिसमें कार्य नीति - नियमों के अनुरूप किया गया।

भावनात्मक लब्धि (EQ)

↓

संवेदना + बुद्धि

↓

अपनी संवेदनाओ का नियमन कर उन्हें उचित दिशा देना।

↓

जैसे- 3.प्र. की IAS महिला अधिकारी अपने अस्पताल भ्रमण के समय एक केंसर पीड़ित बच्चे को देखती है तो संवेदनशील होकर रोने लगती है तथा उसको इलाज के लिए त्वरित कार्य करने का आदेश देती है

↓

भावनात्मक बुद्धिमत्ता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) **अभिवृत्ति (Attitude)** तथा **अभिरुचि (Aptitude)**

अभिवृत्ति (Attitude)

किसी दी गई परिस्थिति में किसी व्यक्ति की मानसिक दशा → किसी वस्तु, विचार सामाजिक प्रथाओं पर एक प्रकार की प्रस्तुति

↓

विश्वास, मान्यताओं के नज़दीक,

↓

प्रकृति - सकारात्मक या नकारात्मक

उदा. →

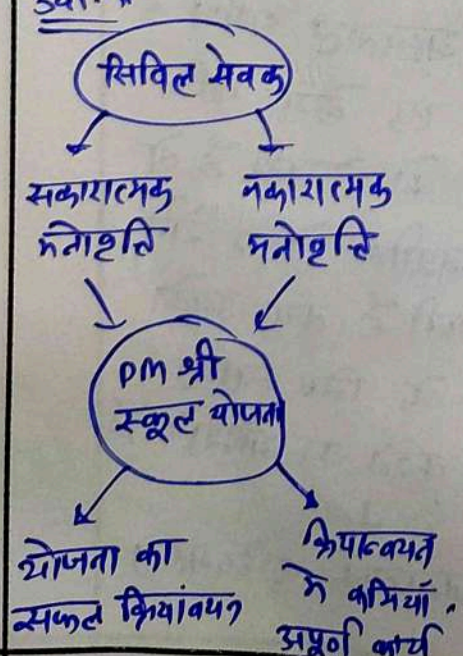

अभिरुचि (Aptitude)

किसी व्यक्ति को उचित परिवेश प्रदान कर उसमें अच्छे गुणों को सिखाने की क्षमता

↓

बुद्धि, क्षमता, कौशल से नजदीक

↓

सीखने की क्षमता

↓

जन्मजात + सीख भी सकते है।

उदा. →

(i) सचिन तेन्दुलकर का क्रिकेटर बनना।

(ii) लता मंगेशकर का स्वर कोकिला बनना।

(iii) अल्बर्ट आंइस्टीन का वैज्ञानिक बनना इत्यादि।

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in

4. (a) What do you understand by political neutrality? Explain its significance in public service. (150 words) 10
राजनीतिक तटस्थता से आप क्या समझते हैं? लोक सेवा में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए।

राजनीतिक तटस्थता से आशय किसी दल विशेष की सदस्यता न लेते हुए निर्भीक एवं साहसपूर्ण तरीके से चुनी हुई सरकार को निष्पक्ष रूप से लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना हेतु सहायता करना है।

लोकसेवा में राजनीतिक तटस्थता का महत्व

(1) सरकारो का बदलते रहना →
↓
नौकरशाही स्थायी प्रकृति की

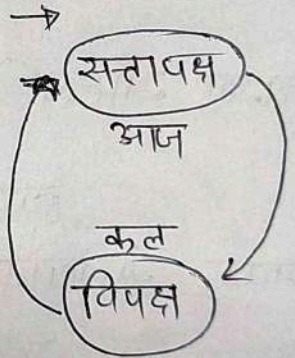

(ii) राजनीतिक जवाबदेही
↳ लोकसेवको का कर्तव्य है कि वह जनप्रतिनिधियो को उचित सलाह दे।
जैसे :- शैम मनिकशाह द्वारा 1971 में स्थिति सही नही होने के कारण सलाह देना कि वे अभी युद्ध न लड़े।

(iii) गठजोड़ में संलिप्तता नहीं → वर्तमान समय में राजनेता, अपराधी तथा लोकसेवको का अनैतिक गठजोड़ बन रहा है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राजनीतिक तटस्थता इनसे बचाती है।

(iv) कर्त्तव्यपालन → लोकसेवक अपनी नीतियों तथा योजनाओं का उचित क्रियान्वयन कर पाते हैं।

(v) संविधान के प्रति निष्ठा

(vi) जनोन्मुखी तथा लोक केन्द्रित शासन।

(vii) मीडिया तथा 4C (Court, CBI, CVC, CAG) के दबाव से मुक्ति

(viii) आचरण संहिता के अनुरूप।

भारतीय राजव्यवस्था में लोकसेवक संविधान के प्रति निष्ठावान होता है अतः उसे राजनीतिक मूल्यों से तटस्थता बनाए रखना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) There is more to integrity than honesty. Illustrate with examples. Also, suggest ways to inculcate integrity as a value in civil services. **(150words)10**
ईमानदारी की तुलना में सत्यनिष्ठा अधिक व्यापक है। उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाइए। साथ ही, सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा को एक मूल्य के रूप में विकसित करने के तरीके सुझाइए।

उत्तर ⇒ ईमानदारी और सत्यनिष्ठा में नजदीकी संबंध है। ईमानदारी कार्यों के प्रति नैतिक बुद्धि को दर्शाता है वही सत्यनिष्ठा मन, वचन और कर्म में आंतरिक सुसंगति को दिखाता है।

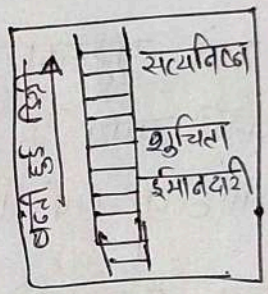

उदाहरण ⇒ जैसे एक अधिकारी अपने कार्यालय समय पर आता है तथा अपना कार्य निष्ठापूर्वक कर पुनः अवकाश होने पर घर चला जाता है।

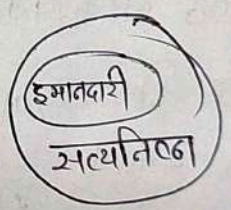

↓
ईमानदारी
↓

यदि वह कार्य के प्रति अत्यधिक लगनशील है तथा चाहता है कि यह महत्वपूर्ण फाइल है इसे ऑफिस यंत्रिका खत्म होने के पश्चात भी करना आवश्यक है ⇒ क्योंकि यह कमजोर वर्गों के हितों से जुड़ी फाइल है।

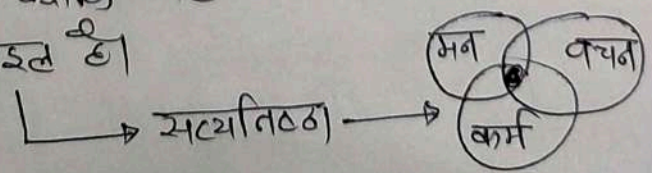

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिविल सेवा मे सत्यनिष्ठा को एक मूल्य के रूप में विकसित करने के तरीके -

(i) प्रशिक्षण तथा भर्ती प्रक्रिया के समय मूल्यों का विकास। #Team spirit

(ii) सत्यनिष्ठ सिविल सेवको के सेमिनार, वेबिनार तथा कार्यशाला का आयोजन।

(iii) दण्ड एवं पुरस्कार सिद्धांत अनुरूप।

(iv) मध्यवर्ती समय में ट्रेनिंग के दौरान।

(v) ऐसे साहित्य एवं सिनेमा को बढ़ावा देना
↓
सत्यनिष्ठ लोकसेवको की कहानी।

(vi) अनुनयन की प्रक्रिया → प्रभावी सम्प्रेषण द्वारा।

(vii) नैतिक शिक्षा।

सत्यनिष्ठा एक महत्वपूर्ण मूल्य है जिसका धीरे-धीरे विकास सामाजीकरण की प्रक्रिया से होता है। यह मूल्य सार्वभौमिक प्रकृति का होता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (c) What do you understand by probity? Why is it considered essential for good governance? **(150 words) 10**

शुचिता (प्रोबिटी) से आप क्या समझते हैं? सुशासन के लिए इसे क्यों आवश्यक माना जाता है?

उत्तर ⇒ शुचिता लेटिन भाषा के शब्द 'प्रोबस' से मिलकर बनी हुई है जिसमें उचित एवं अनुचित के बीच के अंतर को स्पष्ट किया जाता है।

शुचिता
- → संस्थागत रूप से ईमानदारी
  - जैसे - गृह मंत्रालय संबंधी शुचिता
  - राज्यसभा चुनाव संबंधी शुचिता
- → व्यक्तिगत जीवन में शुचिता
  - विशेषतः वित्तीय ईमानदारी के संदर्भ में

सुशासन की स्थापना के लिए शुचिता एक आवश्यक शर्त

(क) जवाबदेहिता → शुचिता किसी भी संस्थान अथवा व्यक्ति की जवाबदेहिता को सुनिश्चित करती है।

जैसे: संसद की कार्यपालिका बजट के समय वित्तीय जवाबदेहिता स्पष्ट करती है।

↓

पारदर्शिता → सुशासन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) कार्यों का कुशल संचालन।

(ग) कार्य संस्कृति में सुधार।

(घ) संगठनात्मक भावना तथा टीम स्प्रिट का निर्माण।

(ङ) डिजिटल प्रौद्योगिकी को अपनाना।

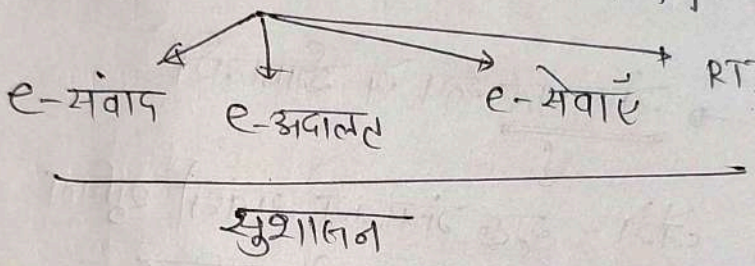

(च) नागरिक घोषणा पत्र → शुचिता युक्त संस्थान नागरिकों के लिए चार्टर को तैयार रखता है।

(छ) शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना।

स्पष्ट रूप से शुचिता, सुशासन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा जन कल्याणकारी शासन की स्थापना करती है।

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Although utilitarianism is arguably the most reason-based approach to determining right and wrong, it has obvious limitations. Discuss.

(150 words) 10

यद्यपि उपयोगितावाद सही और गलत का निर्धारण करने के लिए संभवत: सर्वाधिक तर्क-आधारित दृष्टिकोण है, तथापि इसकी स्पष्ट सीमाएं भी हैं। चर्चा कीजिए।

पाश्चात्य दार्शनिक जेरमी बेंथम ने उपयोगितावादी सिद्धांत का प्रतिपादन किया। जिसमें निहित है - अधिक से अधिक लोगो को सुख प्रदान करना।

उपयोगितावाद → सही और गलत का निर्धारण करने के लिए तार्किक सिद्धांत

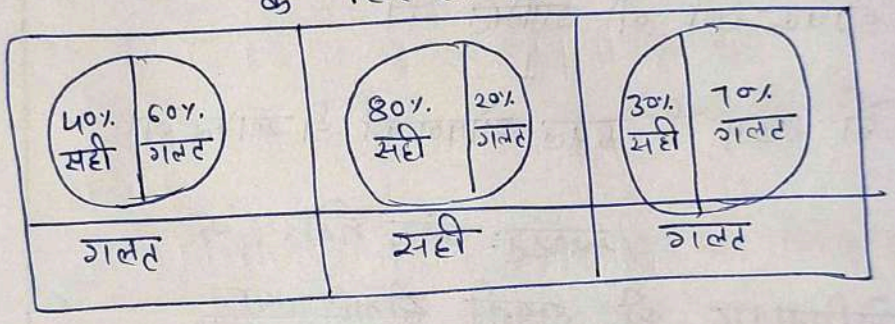

जैसे: किसी योजना को लागू करने से 'बृहत्तम सार्वजनिक हित' सम्पन्न होता है तब ऐसी योजनाओ को लागू कर देना चाहिए।

↓

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छता, स्वास्थ्य, बाल सुरक्षा, महिला अधिकार

योजना को सामाजिक हित में लागू कर देना चाहिए।

Don't write anything in margin

उपयोगितावाद की सीमाएँ

① समावेशी विकास → उपयोगितावाद अधिकतम लोगो के अधिकतम हित की बात करता है। वही समावेशी विकास अंत्योदय तथा सर्वोदय की भावना अनुरूप है।

② आवश्यक नही की → वृहत्तर हित मे शोषक वर्ग भी शामिल हो।
↓
हो सकता है केवल शोषण वर्ग ही शामिल हो।

स्पष्टः कांट महोदय के उपयोगितावाद की अपनी सीमाएँ तथा अपना महत्व है। सार्वजनिक हित की सुरक्षा हेतु यह सिद्धांत प्रासंगिक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) What do you understand by ethical dilemma? Explain with examples, how it can lead to crisis of conscience. (150 words) 10

नैतिक दुविधा से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि यह किस प्रकार अंतःकरण का संकट उत्पन्न कर सकती है।

नैतिक दुविधा की स्थिति में दो नैतिक मूल्यों के बीच किसी एक चयन करना मुश्किल होता है तथा सही एवं गलत की स्पष्ट अंतर भी नहीं बन पाता है। इससे अंतःकरण के संकट की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

जैसे:- (i) डाक्टर्स के द्वारा अपने मरीज को ब्राण्डेड दवाई दी जाए अथवा जेनेरिक दवाई दी जाए।

(ii) कोर्ट में कोई आरोपी यदि जज का रिश्तेदार अथवा करीबी निकले तो क्या किया जाए।

(iii) एक भूखा बच्चा एक दुकान से बिस्किट चोरी करता है और यह सिर्फ मैंने देखा है इस ~~स्थिति प्रकार की~~ स्थिति में मैं दुकानदार को बताऊ तो बच्चा भूखा रह जाएगा और यदि मैं न बताऊ तो मैं खुद भी चोरी में संलिप्त पाऊंगा

↓

इस नैतिक दुविधा में अंतकरण का संकट उत्पन्न हो जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंत: करण का संकट भी ऐसी ही स्थिति होती है जब अंतरात्मा दिए गए दो या अधिक विकल्पों में से किसी एक का चयन नहीं कर पाती है।

नैतिक दुविधा अंत:करण के संकट को उत्पन्न करती है।

(I) साहस की कमी, निर्भीकता की स्थिति में।
(II) हितो के संघर्ष की स्थिति मे।
(III) पदीय कर्तव्यो की पूर्ण जानकारी का अभाव
(IV) नैतिक मूल्यों का पतन
(V) राजनीतिक तथा नागरिक समाज का दबाव
(VI) संतुलनवादी जीवन शैली की जगह उपभोक्तावादी जीवन शैली अपनाना।
(VII) मूल्यों से समझौता।
(VIII) भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अभाव।

उपरोक्त परिस्थितियो में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) What is code of conduct? How is it different from code of ethics?
(150 words) 10

आचरण संहिता क्या है? यह नीतिपरक आचार संहिता से किस प्रकार भिन्न है?

आचरण संहिता से आशय

नीतिगत व्यवहारों तथा नैतिक मूल्यों की संहिता से है। जैसे- पुलिस विभाग की आचरण संहिता, रक्षा विभाग की आचरण संहिता।

वैसे तो आचरण संहिता और आचार संहिता में फर्क करना मुश्किल है परन्तु कुछ भिन्नताएँ देखी जा सकती है।

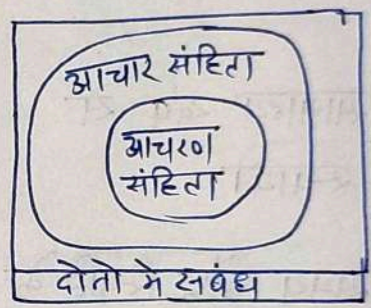

आचार संहिता	आचरण संहिता
(i) नीतिगत मूल्यों की संहिता, सार्वभौमिक मूल्यों का समावेशन जैसे → सत्यनिष्ठा का पालन, हर परिस्थिति में नैतिकता का अनुसरण करना	(i) आचरण संहिता नैतिक मूल्यों के व्यवहार को निर्धारित करने की संहिता है। जैसे:- ⊛ शादी के संबंध में प्रावधान ⊛ कार्यालय सुबह 10 बजे पहुँचना।
(ii) कार्यक्षेत्र → व्यापक ↓ वृहद रूप में लागू होती है। सार्वत्रिक प्रकृति की नियम	(ii) कार्यक्षेत्र - सीमित ↓ किसी विभाग के लिए अलग अलग आचरण संहिता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आचार संहिता	आचरण संहिता
③ प्रकृति → अमूर्त तथा साधारण ↓ जैसे: चोरी करने पर दण्ड का प्रावधान → किसी की हत्या करना > पाप	③ प्रकृति → मूर्त तथा विशिष्ट जैसे: रक्षा विभाग की आचरण संहिता में दुश्मनो को मारना पाप नहीं।
④ सामान्य रूप से स्थायी	④ परिवर्तनशील प्रकृति
⑤ समय और स्थिति के आपेक्षत: परिवर्तनशील होती रहती है।	⑤ समय और स्थिति के सापेक्षत: साधारण रूप से एक समान

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि आचारण संहिता, आचार संहिता का एक लघु रूप है तथा आचार संहिता सर्वमान्य होती है।

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b) Bring out the relevance of the seven principles of public life stated by the Nolan Committee in the Indian context, with the help of examples.**

(150 words) 10

भारतीय संदर्भ में, नोलन समिति द्वारा सुझाए गए सार्वजनिक जीवन के सात सिद्धांतों की प्रासंगिकता को उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

ब्रिटेन की राजव्यवस्था ने लोकसेवा के जीवन में अतिमहत्वपूर्ण मूल्यों के संबंध में ~~सभि~~ नोलन समिति का गठन किया जिसने सात मूल्यों को सार्वजनिक जीवन में प्रमुख बताया।

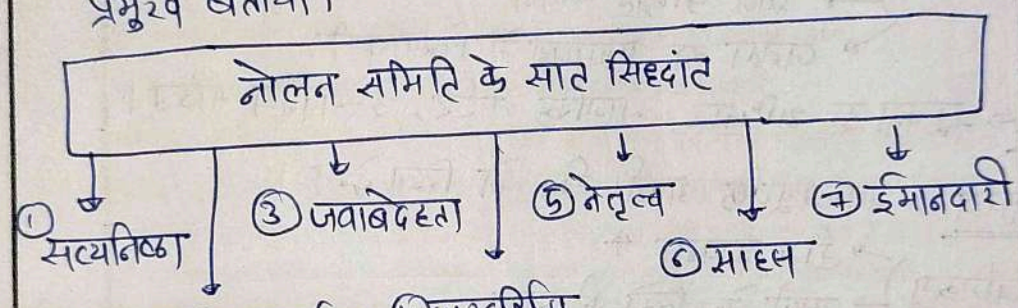

प्रासंगिकता

① सत्यनिष्ठा → मन, वचन, कर्म में आंतरिक सुसंगति

प्रासंगिकता → विश्वसनीय व्यक्ति
→ द्वैध। नैतिक दुविधा की न्यूनतम संभावना
→ अनैतिक कृत्यों से दूर।

जैसे:- अशोक खेमका (IAS, हरियाणा)
लाल बहादुर शास्त्री।

② निःस्वार्थता → भय/लालच त्यागकर साहसपूर्वक कर्तव्यनिष्ठा पालन।

प्रासंगिकता → भ्रष्टाचार से दूर
→ करिन्दों द्वारा विश्वास
→ विस्तृत विचारधारा।

उदाहरण → ए.पी.जे अब्दुल कलाम।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ जवाबदेहिता → अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायी होना।

प्रासंगिकता → सुशासन
→ लोककल्याणकारी नैतिक शासन
→ पारदर्शी शासन
→ निरंकुशता से परे, तानाशाही ↓

उदाहरण: IRCTC का ट्विटर पर शिकायत सुनना व निपटाना।
(ii) संसद > प्रश्न पूछना, शून्यकाल।

④ पारदर्शिता → कार्यों में खुलापन

प्रासंगिकता → कार्यों में सुगमता
→ जन केन्द्रित शासन
→ जनता का प्रशासन में विश्वास ↑

उदा → सूचना का अधिकार, नागरिक चार्टर, ई-गवर्नेंस मॉडल।

⑤ नेतृत्व → साहसपूर्वक अपनी टीम को दिशा देना।

प्रासंगिकता → टीम भावना ↑
→ सभी के हितों की रक्षा
→ संगठनात्मक कार्य

उदाहरण → वीरप्पन इनकाउंटर के समय के. विजय कुमार IPS के नेतृत्व में टीम निर्माण।

⑥ साहस → दृढ़तापूर्वक कार्य

प्रासंगिकता → आशावादी
→ भावनात्मक समझ का सकारात्मक उपयोग।

उदाहरण → नीरजा भनोट, मनिकशाह।

⑦ ईमानदारी → कार्यों में आंतरिक सुसंगति होना

प्रासंगिकता → व्यक्तित्व निर्माण ↑
→ जनता में विश्वास ↑

उदाहरण → ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस का इस्तीफा
रेल दुर्घटना के समय > लाल बहादुर शास्त्री (1956) का इस्तीफा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. The Right to Information (RTI) Act is one of the most important reforms brought by the government. You have recently been transferred as the Public Information Officer (PIO) in the irrigation department of a district. While inspecting the RTI applications, you find that many of these applications relate to information on the recruitment of staff in your department. Your juniors point out that all of these have been filed by an aspiring local politician who may be trying to create an issue related to irregularities in recruitment in the department. The department fears that he is filing RTI applications for political gains in the upcoming state elections.

In this context, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the case.

(b) What measures will you take to handle the situation? **(20)**

सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम सरकार द्वारा किए गए सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक है। आपको हाल ही में एक जिले के सिंचाई विभाग में जन सूचना अधिकारी (PIO) के रूप में स्थानांतरित किया गया है। RTI आवेदनों का निरीक्षण करते समय आप पाते हैं कि इनमें से कई आवेदन आपके विभाग में कर्मचारियों की भर्ती की जानकारी से संबंधित हैं। आपके कनिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि ये सभी एक महत्वाकांक्षी स्थानीय राजनेता द्वारा दायर किए गए हैं जो शायद विभाग में भर्ती में अनियमितताओं से संबंधित एक मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहा है। विभाग को आशंका है कि वह आगामी राज्य चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए RTI आवेदन दाखिल कर रहा है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) इस स्थिति से निपटने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

प्रस्तुत केस में सिंचाई विभाग में भर्ती प्रक्रिया के संबंध में सूचना का अधिकार (RTI) के तहत सूचना प्राप्त करने की बात कही गई है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(A) जन सूचना अधिकारी (में)

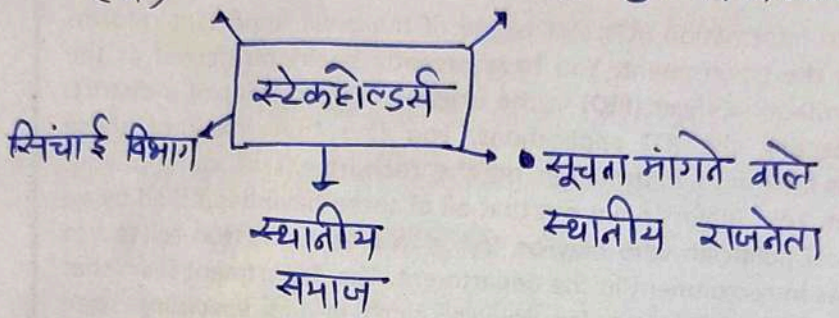

अध्ययन प्रकरण संबंधित नैतिक मुद्दे -

(क) गोपनीयता बनाम सूचना / पारदर्शिता

(ख) राजनीतिक तटस्थता बनाम संलग्नता

(ग) सत्यनिष्ठता / ईमानदारी बनाम कार्य टालना इत्यादि।

(घ) जवाबदेहिता तथा उत्तरदायित्व

उत्तर - (B) स्थिति से निपटने के लिए उपाय,

वि. (क) राजनीतिक लाभ पूर्ति करने वाले राजनेता को सूचना प्रदान नहीं करना।

विकल्प (ख) सूचना देने के समय को टालना।

विकल्प (ग) विभागीय जाँच करवाकर मामले की गंभीरता को समझना तथा सूचनाओ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को संबंधित राजनेता को प्रदान करना।

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
विकल्प 'क'	(i) विभागीय कार्य संस्कृति को धूमिल करने से बचाना। (ii) नवभर्ती युवको के हितो की रक्षा	(i) सूचना के अधिकार का उल्लघंन (ii) विभागीय कार्य संस्कृति पर संदेह (iii) लोकतांत्रिक जवाबदेही की भर्त्सना (iv) नैतिक मूल्यो के अनुरूप नहीं
विकल्प 'ख'	(i) विभागीय संस्कृति तथा नवभर्ती युवको पर दोषारोपण से मुक्ति (ii) राजनेता को अनावश्यक लाभ की प्राप्ति नहीं (iii) विभाग के समय एवं श्रम की बचत	(i) मौलिक अधिकार संबंधी मामला (ii) लालफिताशाही तथा केन्द्रीत एवं गोपनीय प्रशासन को बढ़ावा मिलेगा। (iii) मीडिया तथा अन्य उपकरणो द्वारा विभागीय छवि पर खतरा

VISION IAS™

Don't write anything in margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प 'ग'	पक्ष	विपक्ष
	(i) विभागीय संस्कृति की स्पष्ट छवि जनता के समक्ष (ii) कानून का पालन (iii) सूचना, जनता की मूल आवश्यकता (iii) सूचना आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था को बढ़ावा। (iv) यदि विभागीय भर्ती प्रक्रिया स्पष्ट एवं पारदर्शी है तो राजनेता को अनावश्यक लाभ भी नहीं मिलेगा। (vi) कर्त्तव्यनिष्ठा का पालन	(i) समय एवं श्रम संबंधी चुनौतियाँ (ii) विभागीय कार्य संस्कृति संबंधी चुनौतियाँ (iii) मामले का लंबा खिंच जाने का खतरा

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्पष्टतः कह सकते है कि एक जन सूचना अधिकारी के रूप में मैं अपनी जिम्मेदारियो तथा कर्त्तव्य का पालन करूंगा। राजनेता द्वारा सूचना प्राप्त करने की अपील पर उन्हें यथाशीघ्र सूचनाओ को प्रदान किया जाएगा ताकि विभागीय कार्य संस्कृति, पारदर्शी शासन व्यवस्था तथा जनोन्मुखी नैतिक सुशासन की स्थापना की जा सके।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are the managing director of a pharmaceutical company. Your company has won a tender for supply of generic affordable medicines to the state health department. In order to win the tender, you had kept the profit margins very low. However, after winning the tender, you got a call from the Officer on Special Duty (OSD) to the Health Minister for a 2% cut in the total purchase of goods. You tried to meet the Health Minister in this respect, but he also hinted at doing the job as per the instructions of the OSD. You cannot refuse to go ahead with the tender because of the risk of losing your 5% security deposit. Further, the firm can be blacklisted for not fulfilling the obligations of the approved tender.

Some of the options to deal with the situation are given below. Evaluate the merits and demerits of each of these options.

(a) Follow the advice of the minister and comply with the demands of the OSD.

(b) File a police complaint against the OSD for corruption.

(c) Tip the media anonymously about the issue to build pressure on the concerned Minister.

(d) Leave the allotted tender.

Also, not limiting to the options given above, suggest the course of action you will take, giving appropriate reasons. **(20)**

आप एक फार्मास्युटिकल कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। आपकी कंपनी ने राज्य के स्वास्थ्य विभाग को सस्ती जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति के लिए एक टेंडर जीता है। टेंडर जीतने के लिए आपने प्रॉफिट मार्जिन बहुत कम रखा था। हालांकि, टेंडर जीतने के बाद सामान की कुल खरीद में 2% हिस्से के लिए स्वास्थ्य मंत्री के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (OSD) की ओर से आपके पास एक फोन आया है। आपने इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से मिलने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने OSD के निर्देशानुसार आपको काम करने का संकेत दिया। आप अपनी 5% जमानत राशि खोने के जोखिम के कारण इस टेंडर के साथ आगे बढ़ने से मना नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा, अनुमोदित टेंडर के दायित्वों को पूरा नहीं करने के लिए फर्म को काली सूची में भी डाला जा सकता है।

इस स्थिति से निपटने के कुछ विकल्प नीचे दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुणों एवं दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(a) मंत्री की सलाह मानेंगे और OSD की मांगों का पालन करेंगे।

(b) भ्रष्टाचार के लिए OSD के विरुद्ध पुलिस के पास शिकायत दर्ज करेंगे।

(c) संबंधित मंत्री पर दबाव बनाने के लिए इस मुद्दे के बारे में गुमनाम रूप से मीडिया को सूचना देंगे।

(d) आवंटित टेंडर को छोड़ देंगे।

साथ ही, ऊपर दिए गए विकल्पों तक सीमित रहे बिना, उपयुक्त कारण बताते हुए आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का सुझाव दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत अध्ययन प्रकरण में कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के समक्ष भ्रष्टाचार संबंधी मांग की गई है तथा टेंडर को पूरा न करने पर उनकी जमानत राशि जब्त होने तथा कम्पनी की साख पर खतरा उत्पन्न होने संबंधी चुनौतियाँ है।

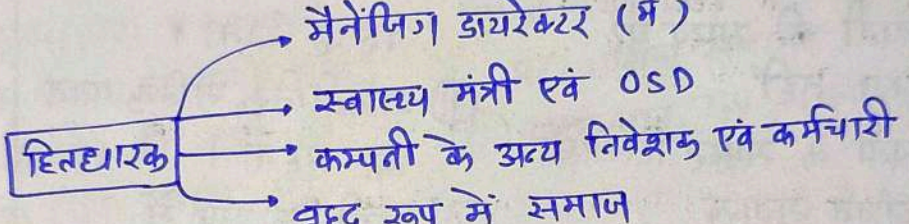

हितधारक
- मैनेजिंग डायरेक्टर (मैं)
- स्वास्थ्य मंत्री एवं OSD
- कम्पनी के अन्य निवेशक एवं कर्मचारी
- वृहद रूप में समाज

अध्ययन प्रकरण. प्रमुख <u>नैतिक मुद्दे</u>

(i) भ्रष्टाचार
(ii) व्यवसाय में सुगमता (EODB)
(iii) कार्पोरेट शासन
(iv) आर्थिक हानि

नैतिक दुविधाएँ/चिंताए

(i) भ्रष्टाचार में शामिल होना बनाम साहस एवं दृढ़ता
(ii) टेंडर लेने से मना करना बनाम कम्पनी की साख को बनाए रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उत्तर-(ए) मंत्री की सलाह मानना और OSD की मांगो का पालन करना

गुण

(i) टेंडर की प्राप्ति
(ii) कम्पनी की साख पर खतरा नहीं
(iii) कम्पनी के समस्त हितधारको का जीवन सुधार
(iv) जमानत राशि जब्त भी नहीं होगी।

दोष

(i) भ्रष्टाचार में स्वयं भी लिप्त होना।
(ii) राजनीतिक नैतिक पतन को सहना।
(iii) उद्यमी के रूप में कर्तव्यो से विमुखता
(iv) कार्पोरेट शासन की अनदेखी।
(v) 'डोमिनो प्रभाव' की तरह ये कार्य सदैव चलता रहेगा।

उत्तर-(बी) भ्रष्टाचार के लिए OSD के विरुद्ध पुलिस से शिकायत करना।

गुण

1) भ्रष्टाचार पर 'जीरो टालरेंस' नीति पालन
2) राजनीतिक भ्रष्ट शासनकर्ताओ पर कार्यवाही
3) टेंडर बिना भ्रष्टाचारी गतिविधियो के मिलने की संभावना

दोष

1) लंबी एवं जटिल कानूनी प्रक्रिया में तब्दील
2) कम्पनी अथवा मुझे व्यक्तिगत रूप से खतरा
3) टेंडर का पुनः शायद न मिल पाने का खतरा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उत्तर-(c) संबंधित मंत्री पर दबाव बनाने हेतु गुमनाम नाम से मीडिया को सूचना।

गुण

(i) राजनीतिक भ्रष्टाचारियो पर लगाम।
(ii) भ्रष्टचारी शासको का चेहरा जनता के सामने
(iii) कम्पनी की छवि की साफ चित्र जनता पर
(iv) टेंडर मिलने की संभावना बिना रिश्वत दिए।
(v) दोषियो को सजा

दोष

(i) कम्पनी की साख संबंधी चुनौतियाँ
(ii) मीडिया द्वारा रुचि न लेने पर अधिक समस्या।
(iii) व्यक्तिगत रूप से खतरा

उत्तर-(4) आबंटित टेंडर को छोड़ देना

गुण

(i) भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होना।
(ii) भविष्य में भी आकस्मिक संबंधित चुनौतियो से खतरा नहीं।
(iii)

दोष

(i) जमानत राशि जब्त तथा कम्पनी को काली सूची में डालने का खतरा।
(ii) कम्पनी के समस्त हितधारको पर नकारात्मक प्रभाव तथा कम्पनी की साख पर प्रश्न चिन्ह।
(iii) कार्पोरेट शासन के अधिन नहीं
(iv) नैतिक कर्त्तव्यो से विमुखता।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस में हमने चारो स्थितियो के गुण एवं दोषो का अध्ययन कर लिया है। इस स्थिति में मेरे द्वारा उठाए गए कदम -

(i) साहसपूर्वक स्वास्थ्य मंत्री से वार्ता करना तथा उन्हें रिश्वत न देने संबंधी बात करना।

(ii) मैं उन्हें इस संबंध मे भी अवगत करवा सकता हूँ कि यह बात मीडिया तथा पुलिस के मध्य भी जा सकती है। क्योंकि यदि किसी ने शिकायत कर दी और सक्रिय छानबीन हुई तब आप और मैं दोनों को सजा हो सकती है। इससे आपकी राजनीतिक पार्टी पर खतरा एवं विपक्षी दलो द्वारा हंगामा करना तथा आपको पद त्याग संबंधी मांग की जा सकती है।

(iii) अंतिम प्रयास, क्योंकि मैंने टेंडर को जीता है तथा लाखो लोगो की उम्मीद कम्पनी से बंधी हुई है अतः मैं टेंडर को नही छोड़ सकता। साथ ही, भ्रष्टाचार में भी लिप्त नही हो सकता। इस स्थिति में समस्त हितधारको से चर्चा कर स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार संबंधी मामलो को मीडिया तथा कानून-व्यवस्था के संदर्भ में उठाकर उन्हे कठोर सजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The promotion of harmful products like liquor, tobacco, etc. through mass media and advertisements have been banned in India. However, many companies are roping in big celebrities to promote these harmful products and brands through surrogate advertisement. In the disguise of another product, surrogate advertising is used to promote regulated products, like cigarettes and alcohol, There have been many debates on this issue, particularly in recent times, with many arguing that such advertisements should be banned altogether.

In this context, answer the following:

(a) What are the ethical issues involved in surrogate advertising?

(b) Suggest steps that can be taken to address these type of advertisements in India. **(20)**

भारत में मास मीडिया और विज्ञापनों के माध्यम से हानिकारक उत्पादों जैसे कि शराब, तंबाकू आदि के प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, कई कंपनियां सरोगेट (छद्म) विज्ञापन के जरिए इन हानिकारक उत्पादों और ब्रांड्स का प्रचार करने के लिए बड़ी हस्तियों को शामिल कर रही हैं। एक अन्य उत्पाद की आड़ में, सिगरेट और शराब जैसे विनियमित उत्पादों का प्रचार करने के लिए सरोगेट विज्ञापन का उपयोग किया जाता है। इस मुद्दे पर कई बहसें हुई हैं, विशेष रूप से हाल के दिनों में कई लोगों का तर्क है कि ऐसे विज्ञापनों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) सरोगेट विज्ञापन में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) भारत में इस प्रकार के विज्ञापनों से निपटने के लिए उठाए जा सकने वाले कदमों का सुझाव दीजिए।

प्रस्तुत केस में, हानिकारक मादक पदार्थों के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने संबंधी बात कही गई है। यह राज्य की संविधान में उल्लेखित नीति निर्देशक तत्व (DPSP) के अनुरूप नैतिक जिम्मेदारी है कि वे इस प्रकार के कृत्यों एवं सरोगेट विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

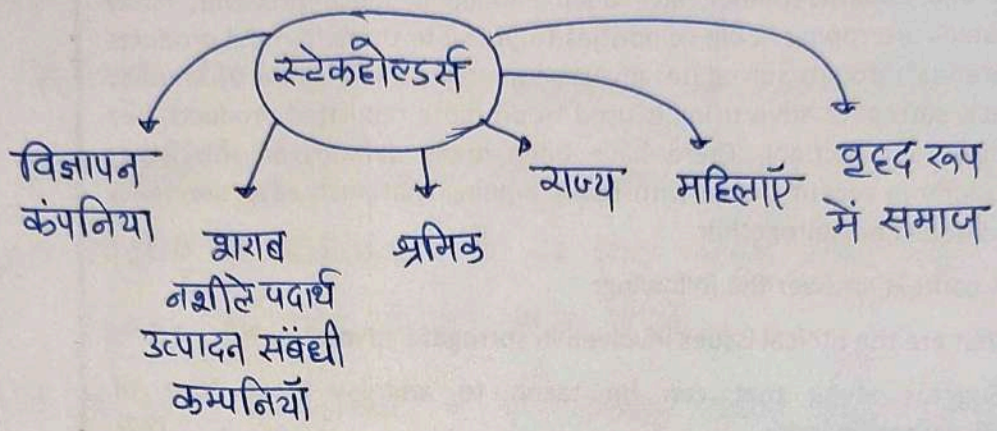

(A) सरोगेट विज्ञापन में शामिल नैतिक मुद्दे

(i) ब्राण्ड सत्यनिष्ठा (ii) रोजगार

(iii) शराब एवं नशीले पदार्थ उपभोग संस्कृति

(iv) राज्य की नैतिक जिम्मेदारी

(v) घरेलू हिंसा एवं अन्य व्यापक प्रभाव

(B) भारत में इस प्रकार के विज्ञापनो से निपटने के लिए सुझाव-

(a) ब्राण्ड सत्यनिष्ठा का निर्धारण → अनुतयन की प्रकिया में सूचना स्त्रोत का काफी प्रयोग होता है। रॉल मॉडल को हानिकारक उत्पादों में शामिल नही होने पर बल देना।

जैसे :- अक्षय कुमार, अजय देवगन, शाहरुख खान जैसे प्रसिद्ध अभिनेताओ द्वारा पान मसाला विमल का प्रचार करना > प्रतिबंधित हो

Call us : 8468022022, 9019066066

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) विज्ञापनो पर प्रतिबंध → अत्यधिक नशीले पदार्थों यथा ड्रग्स, गांजा इत्यादि पर पूर्णतः प्रतिबंध लागू करना।

(ग) जागरूकता ⇒ जागरूकता संबंधी विज्ञापनो को बढ़ावा देना। डिसक्लेमर में इन हानिकारक पदार्थो से होने वाले नुकसान के बारे में बताना। नकारात्मक तथा सकारात्मक केसो (cases) के माध्यम से जनता के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करना।

जैसे- भारतीय फिल्म बोर्ड ने किसी भी चलचित्र के प्रारम्भ होने से पहले धूम्रपान एवं हानिकारक पदार्थो के नुकसान के बारे में बताना।

(घ) टाल फ्री नंबर → जिनसे नशा मुक्ति/छोड़ने में आम लोगो को सहायता हो।

(ङ) विज्ञापन कम्पनी से अनुबंध
↳ लोग जैसा देखते है वह उसका अनुसरण करते है इसलिए विज्ञापन कम्पनियो को इस प्रकार के विज्ञापन करने के लिए एक मूल्यांकन कमिटी का गठन करना तथा विभिन्न हितधारको को ध्यान में रख रिपोर्ट तैयार करना → तदानुरूप लागू करना।

स्पष्टतः नशा नाश का कारण होता है।

विज्ञापन कम्पनियो को कार्पोरेट शासन (प्यूपिल, प्लानेट तथा प्रॉफिट) की धारणा को ध्यान रखकर एवं 'सामाजिक प्रभाव आंकलन' (SIA) पश्चात इस प्रकार के विज्ञापन देना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Call us : 8468022022, 9019066066

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a young officer who has recently been posted as the District Magistrate in a district where power cuts are a regular phenomenon. A thermal power plant is proposed in your district, which has the potential to not only meet the energy demand of yours but also that of neigbouring districts, and also provide employment opportunities for the people of your district. However, a few people from the district are protesting against it because of the concerns of displacement and the potential pollution issue that the project may lead to. It is brought to your notice that prominent local leaders have mobilized a large crowd and are planning to march towards the Collectorate. You have also received information that the crowd may turn violent due to the presence of miscreants. In the context of this situation, address the following:

(a) Identify the stakeholders and highlight the issues involved in the above case.

(b) State the measures that you would take as the District Magistrate. **(20)**

आप एक युवा अधिकारी हैं जिन्हें हाल ही में एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया है जहां बिजली कटौती एक नियमित घटना है। आपके जिले में एक ताप विद्युत संयंत्र प्रस्तावित है, जिस संयंत्र में न केवल आपके जिले की बल्कि पड़ोसी जिलों की ऊर्जा संबंधी मांग को पूरा करने की क्षमता है, और यह आपके जिले के लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। हालांकि, जिले के कुछ लोग विस्थापन की चिंताओं और परियोजना के कारण संभावित प्रदूषण के मुद्दे के चलते इसका विरोध कर रहे हैं। आपके संज्ञान में लाया गया है कि प्रमुख स्थानीय नेताओं ने भारी संख्या में भीड़ जुटाई है और कलेक्ट्रेट की ओर मार्च करने की योजना बना रहे हैं। आपको यह भी जानकारी मिली है कि उपद्रवियों की मौजूदगी से भीड़ हिंसक हो सकती है। इस स्थिति के संदर्भ में, निम्नलिखित मुद्दों को संबोधित कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण से संबंधित हितधारकों की पहचान कीजिए और इसमें शामिल मुद्दों को रेखांकित कीजिए।

(b) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में आप जो उपाय करेंगे, उनका उल्लेख कीजिए।

उपर्युक्त केस में विकास बनाम पर्यावरण के संबंध में नैतिक दुविधा की स्थिति है। यदि ताप विद्युत संयंत्र प्रस्तावित लागू कर दिए तो विस्थापन, पर्यावरण प्रदूषण, स्थानीय आक्रोश, भीड़ हिंसा हो सकती है और यदि लागू नहीं किए तो ऊर्जा एवं रोजगार संबंधी चुनौती बनी रहेगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उत्तर - (a)

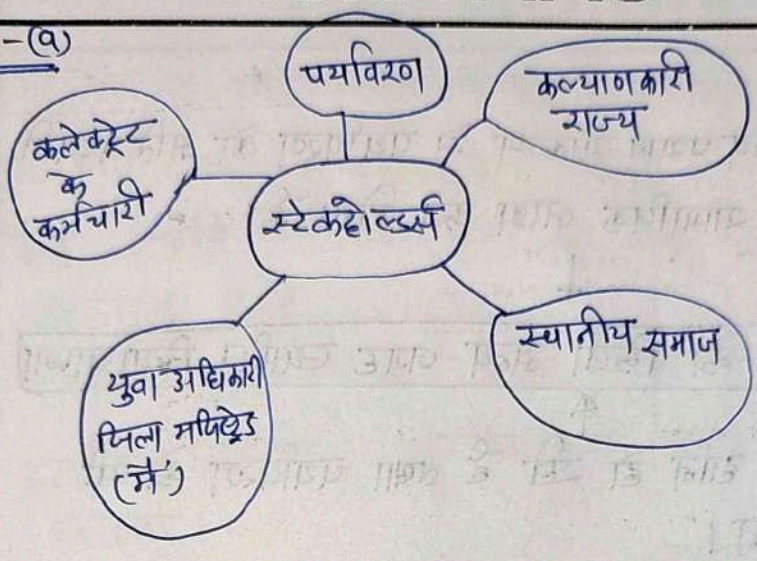

प्रमुख नैतिक मुद्दे एवं नैतिक चिंताएं

(i) सुशासन तथा लोक कल्याण करी राज्य
(ii) समावेशी समाज
(iii) पर्यावरणीय नैतिकता
(iv) आर्थिक विकास- ऊर्जा एवं रोजगार
(v) मॉब लिंचिंग एवं आगजनी संबंधी गतिविधियाँ
(vi) कार्यदक्षता
(vii) नेतृत्वशीलता तथा क्षमता

(उत्तर- B) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में मेरे द्वारा किए गए उपाय।

(क) ~~पर्यावरण~~ प्रभाव आँकलन → पर्यावरणीय प्रभाव आँकलन (EIA) तथा सामाजिक प्रभाव आकलन (SIA) के द्वारा चित्र स्पष्ट हो जाएगा।

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

यदि

(A) पर्यावरणीय प्रभाव आँकलन से पर्यावरण को क्षति पहुँचती है → सामाजिक लाभ कम होता है।

↓

परियोजना को किसी अन्य जगह स्थापित किया जाएगा

↑

(B) सामाजिक हानि हो रही है तथा पर्यावरण को भी नुकसान।

(C) पर्यावरण को क्षति नही पहुँच रही तथा लोग भी प्रभावित नही हो

↳ लोगो को पारदर्शी तरीके से मांकलन के गुण दोषो के बारे में बताना।

ताप विद्युत संयंत्र परियोजना

(संभावित)

लाभ

(i) ऊर्जा आपूर्ति
↓
बिजली की प्राप्ति → शिक्षा, सेवा, सिंचाई — कार्यो में सुगमता

(ii) रोजगार → अकुशल लोगो को संयंत्र से रोजगार
→ आय सृजन
→ स्थिति में सुधार
→ भविष्य में भी रोजगार

हानि

(i) विस्थापन संबंधी चुनौतियाँ

(ii) स्थानीय समाज द्वारा विरोध तथा उपद्रवियो द्वारा हिंसा

(iii) पर्यावरण प्रदुषण का खतरा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यदि सामाजिक प्रभाव आंकलन में स्थानीय समुदायो को बहुत खतरा न हो उस स्थिति में परियोजना को लागू कर दिया जाएगा। इसमें

(i) स्थानीय समुदायो से वार्ता की जाएगी तथा उनकी चिंताओ पर विस्तारपूर्वक विचार किया जाएगा।

(ii) यदि विस्थापन की स्थिति बनी → पुनर्वास की स्पष्ट तैयारी
→ स्थानीय समाजो को मुआवजा
(जिला खनिज कोष (DMF) की सहायता से)

(iii) स्थानीय लोगो को रोजगार में प्राथमिकता देना। (यदि मनरेगा योजना से लिंक बनता है तो उसके तहत 100 दिन तक कार्य)

(iv) ऊर्जा आपूर्ति संबंधी आवश्यकताओ की पूर्ति
↓
बिजली के अन्य लाभो की भी जानकारी देना।

(v) यह संपूर्ण कार्य में अपनी विशेष टीम के साथ स्वयं शामिल होकर करेगा। ताकि भ्रष्टाचार, तथा लालफीताशाही की स्थिति न बने।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

और यदि वास्तव में पर्यावरण पर गंभीर खतरा उत्पन्न होता है तब या तो इस परियोजना को किसी अन्य जगह शिफ्ट किया जाएगा अथवा किसी अन्य माध्यम से ग्रामीणो को बिजली आपुर्ति करवाने का प्रयास किया जाएगा। ताकि सभी व्यक्तियो को समान अवसर की प्राप्ति हो सके तथा राष्ट्र निर्माण में वे अपना सर्वस्व दे सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Today, digital games and gameful interactions with a digital dimension are rapidly becoming pervasive in society. It is a highly engaging pastime and also a vehicle for acquiring knowledge and/or modifying attitudes and behaviours at various levels, whether by explicit intention or otherwise. Online games' increasingly important role in society brings about ethical implications that cannot be ignored, and have sometimes been the object of heated public and academic debate.

(a) Discuss the various social and psychological issues involved in online gaming.

(b) Give some suggestions to address the harmful impact of online gaming on the society. (20)

वर्तमान समय में, डिजिटल आयाम के साथ डिजिटल गेम्स और गेमफुल इंटरैक्शन समाज में तेजी से फैलते जा रहे हैं। यह अत्यधिक आकर्षक मनोरंजन है तथा ज्ञान प्राप्त करने और/या विभिन्न स्तरों पर अभिवृत्ति एवं व्यवहार को संशोधित करने के लिए एक माध्यम भी हैं, चाहे स्पष्ट इरादे से या अन्यथा। समाज में ऑनलाइन गेम की तेजी से महत्वपूर्ण होती भूमिका नैतिक निहितार्थ प्रस्तुत करती है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती है और कभी-कभी यह गंभीर सार्वजनिक एवं अकादमिक बहस का विषय भी रहा है।

(a) ऑनलाइन गेमिंग में शामिल विभिन्न सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) समाज पर ऑनलाइन गेमिंग के हानिकारक प्रभाव से निपटने के लिए कुछ सुझाव दीजिए।

उपयुक्त मामले में ऑनलाइन / डिजिटल गेम्स तथा इंटरैक्शन का समाज पर पड़ने वाले बहुआयामी प्रभावों पर चिंतन किया गया है।

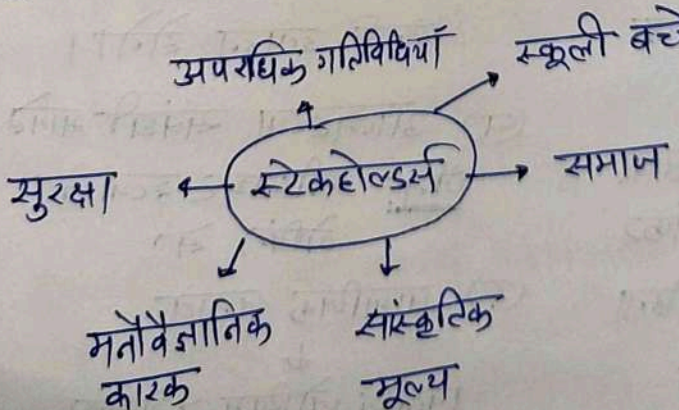

(A) ऑनलाइन गेमिंग में शामिल विभिन्न सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मुद्दे :-

सामाजिक मुद्दे

→ सकारात्मक | → नकारात्मक

सकारात्मक

(क) ज्ञान एवं कौशल में वृद्दि

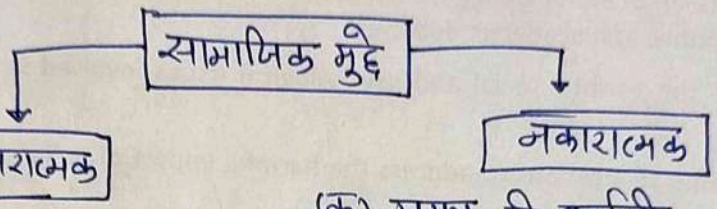

जैसे → Maths संबंधित एप्लीकेशन से तार्किक बुद्दि ↑, चैस (chess) इत्यादि से भी

(ख) उभरते तकनीकी क्षेत्रों जैसे AVGC में मजबूती

(ग) तकनीकी समझ का विकास

(घ) आर्थिक लाभ तथा अन्य ढेर सारे ऑफर के तहत ईनाम जीतना

जैसे :- राजस्थान के रामविलास को ड्रीम-11 में आर्थिक लाभ हुआ।
KBC ऑनलाइन गेमिंग इत्यादि।

नकारात्मक

(क) समय की बर्बादी

↳ अनिश्चित समय तक किसी गेम को समाप्त करते रहने पर बल।

जैसे :- ऑनलाइन 'लूडो गेम' का तकनीकी नशा

(ख) 'तकनीकी एडिक्शन'
↓
तकनीकी तथा गेमिंग के बिना सही नहीं लगना।

(ग) पारिवारिक संबंधों में खाई उत्पन्न होना।

(घ) आत्महत्या संबंधी मामले
जैसे :- फ्रीफायर इत्यादि गेमिंग से

(ङ) सामाजिक तनाव
↓
वित्तीय जोखिम > गेमिंग में पैसे लगाना तथा हारना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मनोवैज्ञानिक मुद्दे

सकारात्मक

① मनोवैज्ञानिक/मानसिक शांति
↓
कोविड-19 के समय तनाव की स्थिति से छुटकारा

② विजुअल रियलिटी तथा आगमेंटेड रियलिटी के तहत एक काल्पनिक दुनिया में जाने का आनंद

नकारात्मक

① आँखो तथा मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव
↓
आँखो में कम दिखाई देना, माइग्रेन संबंधी रोग।

② अत्यधिक समय ऑनलाइन गेमिंग
↓ ↓
अकेलापन | अजनबीपन
↓
परिवार से कटाव

उत्तर-B ऑनलाइन गेमिंग के समाज पर हानिकारक प्रभावो से बचने के उपाय-

① डिजिटल गेमिंग संबंधित संहिता ⇒ ऑनलाइन गेमिंग के नियम एवं विनियमो को संहिताबद्ध किया जाना आवश्यक है।

② जागरूकता → वित्तीय धोखाधड़ी तथा मानसिक क्षय संबंधित गेमिंग के संबंध में उनके नुकसानो के प्रति जनता को जागरूक करना

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) अनुनयन (संचार) → प्रसिद्द अभिनेताओ तथा टीवी सिरियल के बाल कलाकारो से ऑनलाइन गेमिंग के जोखिमो सबंधी चर्चा कर उन्हे न खेलने की सलाह।

(iv) टास्क फोर्स → ऑनलाइन गेमिंग में फ्राड तथा अनैतिकत: लाभ कमाने वाले एप्लीकेशन पर सख्त कार्यवाही हेतु प्रशिक्षित टास्क फोर्स का गठन।

(v) विभिन्न विशेषज्ञो की सलाह तथा एक कमिटी बिठाकर इनकी समीक्षा करना।

(vi) ज्ञान एवं कौशल बढाने वाली गेमिंग को सरकार को नीजि प्लेयर्स के साथ मिलकर बढ़ाने पर बल देना चाहिए।

(vii) आंतरिक सुरक्षा खतरो संबंधित तथा अत्यधिक नुकसानदेह गेमिंग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए।

जैसे - हालहि मे भारत सरकार ने कई गेमिंग तथा अन्य Apps पर प्रतिबंध लगाया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्पष्टतः सामाजीकरण की प्रक्रिया में बच्चो में इस प्रकार के नैतिक गुणो का समावेशन करना चाहिए कि वह लाभकारी तथा हानिकारक स्थितियो का अंतर कर नैतिक कार्य को चुने।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Climate change and environmental degradation have caused havoc globally. It has repercussions on the life and livelihood of each and every individual on the planet. Despite its huge impact, climate change and environmental conservation have not become an electoral issue in India. Globally, green parties are making strides, albeit gradually. In countries like Netherlands, Sweden and Australia, they have begun to make a mark in electoral politics. In India, however, there is no such development.

(a) In your view, why has politics in India not seen it's 'green moment' yet?

(b) Do you think people in India are generally apathetic to climate change and environment related issues? Suggest some initiatives to bring about a change in the attitude of the people towards the issue. **(20)**

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण निम्नीकरण ने विश्व स्तर पर व्यापक विनाश किया है। इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और आजीविका पर इसका प्रभाव है। इसके व्यापक प्रभाव के बावजूद, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण भारत में चुनावी मुद्दा नहीं बने हैं। विश्व स्तर पर, ग्रीन पार्टियां धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं। नीदरलैंड, स्वीडन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में उन्होंने चुनावी राजनीति में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है। हालांकि, भारत में अभी ऐसा कोई विकास नहीं हुआ है।

(a) आपके विचार में, अभी तक भारत की राजनीति में "ग्रीन मोमेंट" क्यों नहीं देखा गया है?

(b) क्या आपको लगता है कि भारत में लोग जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति सामान्यतः उदासीन हैं? इस मुद्दे के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए कुछ पहलों का सुझाव दीजिए।

प्रस्तुत केस मे जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण निम्नीकरण से मानव जीवन पर पड़ने वाले विभिन्न खतरो के बावजूद भारत जैसे विशाल देश में इसे 'चुनावी मुद्दा' न बनाए जाने की चर्चा की गई है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक मुद्दे –

(i) पर्यावरण बनाम विकास
(ii) पर्यावरणीय नैतिकता
(iii) राजनैतिक जवाबदेहिता
(iv) लालच
(v) भविष्य के प्रति चिंता नहीं।

उत्तर-(A)

भारत में 'ग्रीब मोमेंट' → भारत पर्यावरण के प्रति प्रमुख गंभीर देशों में से एक है जो समय-समय पर जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों से दुनिया को सतर्क करता रहा है तथा 'पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली' जीने पर बल देता है।

हालांकि नीदरलैण्ड, स्वीडन तथा आस्ट्रेलियाँ जैसे देशों की तरह 'ग्रीन आंदोलन' प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं है जिसका प्रमुख कारण

(a) आधारभूत अन्य मुद्दे : भारत में गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, अशिक्षा, लैंगिक असमानता, सामाजिक शोषण संबंधी अन्य जटिल ज्वलंत मुद्दे हैं → जो लोगों के जीवन से प्रत्यक्ष रूप से टकराते हैं → लोगों की मांग इन मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाए।

9019066066

VISION IAS™

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) तृतीय विश्व के देशों की आर्थिक। वित्तीय स्थिति सही नहीं है ⟶ स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का अभाव

↓

पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों यथा कोयला, पेट्रोलियम पर अत्यधिक निर्भरता।

(ग) राजनीतिक उदासीनता तथा आम जनता का वैश्विक मुद्दों में रुचि नहीं लेना।

(घ) राजनीतिक पार्टियों की संकीर्ण सोच तथा जिद्दी का अभाव।

उत्तर - B

① क्या भारत के लोग जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर उदासीन है।

↓

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव धीरे-धीरे भारतीय जनमानस पर दिखाई दे रहा है।

- सूखा → बिजली चमकना, बादल फटना, चक्रवात
- शहरी बाढ़
- मृदा का लवणीकरण
- ग्लेशियरों का पिघलना
- वन्य जातियों एवं पादपों का विनाश

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

धीरे धीरे भारतीयो में इसके प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है तथा वे "LiFE आंदोलन" पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपना रहे है।

⑪ इस मुद्दे पर लोगो के दृष्टिकोण बदलने संबंधी उपाय

(क) पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावो के बारे में जागरूकता।

(ख) LiFE → पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय संगठनो जैसे UNO तथा विकसित देश एवं विकासशील देशो का पर्यावरण संबंधी सम्मेलन करवाना।
जैसे :- UNFCC का COP-26 हालिया समय में हुआ।

(घ) संचार माध्यमो यथा रेडियो, टेलीविजन मोबाइल इत्यादि में विज्ञापन, लघु फिल्मो, के माध्यम से जागरूकता।
जैसे :- नवाजुद्दीन सिद्दीकी की लघु फिल्म 'मंगल'।

(ङ) धार्मिक उपदेशको तथा वैज्ञानिको का समय समय पर जनता के मध्य जाकर वार्ता करना।

(च) वनीकरण, संतुलित जीवन शैली अपनाने पर बल इत्यादि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)